

उत्तराखण्ड शासन
परिवहन अनुभाग
 संख्या-253 /IX/323-46/2007
 देहरादून, दिनांक 30 अप्रैल, 2007

अधिसूचना

उत्तरांचल (अब उत्तराखण्ड) मोटरयान करधान सुधार अधिनियम, 2003 की धारा 28 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, उत्तराखण्ड "उत्तरांचल (अब उत्तराखण्ड) मोटरयान करधान सुधार नियमावली, 2003" में संशोधन करने की दृष्टि से निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

संक्षिप्त नाम और 1. (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम "उत्तराखण्ड मोटरयान करधान सुधार (प्रथम संशोधन) नियमावली, 2007" है।
 प्रारम्भ
 (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।

नियम-30 के 2. "उत्तरांचल (अब उत्तराखण्ड) मोटरयान करधान सुधार नियमावली, 2003" (जिसे यहाँ आगे मूल नियमावली कहा गया है) के नियम 30 के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्:-
 उपनियम (1) का प्रतिस्थापन
 "किसी सार्वजनिक सेवा यान, जो मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 72, धारा 74, धारा 76, धारा 87, धारा 88 की उपधारा (8) अथवा धारा 88 की उपधारा (9) के अन्तर्गत जारी वैध परमिट से आच्छादित हो, के दुर्घटना में अन्तर्ग्रस्त होने से पीड़ित यात्री या कोई अन्य व्यक्ति या ऐसे यात्री या अन्य व्यक्ति के उत्तराधिकारी राहत पाने के हकदार होंगे।"

नियम 30 के 3. मूल नियमावली में दी गयी वर्तमान अनुसूची के स्थान पर उपनियम (2) के प्रयोजनार्थ अनुसूची का प्रतिस्थापन निम्नलिखित अनुसूची रख दी जायेगी, अर्थात्:-

क्रम संख्या	दुर्घटना/ घाति का विवरण	देय राहत की धनराशि (रुपये)
1	2	3
1	" दुर्घटना में यात्री या अन्य व्यक्ति की मृत्यु होने पर	50,000
2	दुर्घटना में नम्बर प्लेट से घायल होने की स्थिति में	50,000

	प्रभावित प्रभावित यात्री/अन्य व्यक्ति, ऐसी पूर्ण स्थाई निश्चयता जो नियोजन उपजीविका या अन्य किसी भी प्रकार का व्यवसाय करने में बाधक हो। इसमें निम्नलिखित मानते भी सम्मिलित हैं— (अ) दो अंगों की पूर्ण हानि (ब) दोनों नेत्रों की दृष्टि की पूर्ण हानि	
3	घुड़तना में शरीर रूप से घायल होने की स्थिति में। यथा— (अ) रथाने के उपर एक पैर की हानि (ब) एक नेत्र की हानि (स) दोनों कानों के सुनने की हानि (द) दाहिनी कलाई या एक भुजा की हानि (व) यदि घायल व्यक्ति को 20 दिवस अथवा अधिक दिवस तक चिकित्सालय में उपचार हेतु भर्ती रहना पड़े।	20,000
4	घुड़तना में सामान्य रूप से घायल होने की स्थिति में (क्योंकि 2 एवं 3 से निम्न मानकों में)।	5,000

आज्ञा से,

(एन0एस0 नभलप्राल)
प्रमुख सचिव।

संख्या-252/IX/2227/2007 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- नालेंडाकर उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- समस्त प्रमुख सचिव/सचिव उत्तराखण्ड शासन।
- 3- निजी सचिव मा0 परिवहन मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- ✓ 5- परिवहन आयुक्त, उत्तराखण्ड।
- 6- उप निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, लिथोप्रेस रुड़की को इस आशय से कि उक्त-निष्पत्तियों की 100 प्रतियां साधारण गजट में छाप कर परिवहन अनुभाग-1 उत्तराखण्ड शासन को उपलब्ध कराने का कार्य करें।
- 7- मार्ग फाईल।

आज्ञा से,

(नरिषा रोहसी)
उप सचिव।

	employment, occupation or business of any kind whatsoever, It also includes: (a) Loss of two Limbs (b) Total loss of sight of both eyes	
3	In case of severe injury, such as: (a) Loss of one leg above ankle (b) Loss of one eye (c) Loss of hearing both ears (d) Loss of one arm at or above right wrist (e) Injuries of serious nature causing hospitalization for a period of 20 or more days	20,000
4	In case of injury (other than serial no 2 and 3)"	5,000

By Order,

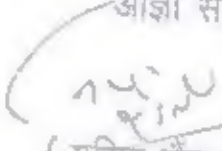

(Nrip Singh Napalchyal)
Principal Secretary

संख्या-252 (2) / ix / 323-06 / 2007 तददिनांक ।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित ।

- 1- मण्डलायुक्त, गढ़वाल / कुमाऊँ क्षेत्र नैनीताल, उत्तराखण्ड ।
- 2- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड ।
- 3- राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड, देहरादून।

आज्ञा से,


(गरिमा रौकली)
उप सचिव।